DSSSB + SSC MTS
दफ्तरी बैच & WINNER BATCH
STATIC G.K
वाद्ययन्त्र एवम् कलाकार
Part - 3
LIVE 01-04-2024 12:00 PM

12. घटम/Ghatam

↓
पानी
↓
विनायक

Imp — **टी.एच. विनायकराम**

ग्रेमी पुरस्कार (विजेता)

Imp — ई. एम. सुब्रमण्यम

Imp — विक्कू विनयाक्रम

त्रिखी शंकरन, टी.एन. राधाकृष्णन

गिरिधर उडुपा

13. सांरगी/Sarangi

शकूर खान Shakoor khan

पंड़ित राम नारायण

→ की बेटी अरूणा नारायण एकमात्र सारंगी वादक

इलियास खान

रमेश मिश्रा

सुल्तान खान

उस्ताद बुंदू खाँ

साबरी खान

सुहाली युसुफ खान

14. सिम्झनी/Simjhani

जुबिन मेहता

पद्म विभूषण – 2001

15. नादस्वरम्/Nadswaram

शेख चिन्नामौला

राजरत्न पिल्लई

नीरु स्वामी पिल्लई

लिडियन

तिरूवीझा जयशंकर

नामगिरिपेट्टई कृष्णन्न

नादस्वरम

1. नामगिरि
2. लीडियन
3. शेख चिन्ना मौला
4. पिल्लई

16. तानपुरा Tanpura

भीमसेन जोशी

→ भारत रत्न 2008 Imp

एम. एस. सुब्बुलक्ष्मी

→ भारत रत्न 1998 Imp

भारत रत्न पाने वाली पहली संगीतकार

→ कर्नाटक संगीत

17. मैंडोलिन Mandoline

U. श्रीनिवासन

किशोर देसाई

18. सुरबहार Surbahar

इमरत खान, इमदाद खान

अन्नपूर्णादेवी, कुशलदास

मुश्ताक अली खान

हिरने राय, इरशाद खान

19. . हारमोनियम Harmonium

अप्पा जलगांवकर
तुलसीदास बोरकर
नुसरत फतेह अली खान
आर. के. बीजापुरे
पुरूषोत्तम वालावलकर

20. थाविल Thavil

आर. गोविन्द राजन

21. सेक्सोफोन Saxophone

Imp कादरी गोपालनाथन

22. गिटार Gitar

बैजू धर्मजन

Imp ब्रज भूषण काबरा

23. कंजीरा Kanjira

दक्षिणामूर्ति पिल्लई

वी. सेल्वागणेश

स्वामीनाथन सेल्वागणेश

भारतीय संगीत का इतिहास

- हमें पहली बार संगीत का साहित्यिक प्रमाण दो हज़ार वर्ष पहले वैदिक काल में मिलता है। राग खरहरप्रिया के सभी सातों स्वर साम वेद में अवरोही क्रम में पाये जा सकते हैं। संगीत विज्ञान को गन्धर्व वेद कहा जाता है, जो सामवेद का एक उपवेद है

- भरत द्वारा लिखित नाट्यशास्त्र पहली रचना थी, जिसमें संगीत विद्या के विषय को विस्तृत रूप में स्पष्ट किया गया

राग

हिन्दुस्तानी राग	समय	ऋतु	मनोभाव (रस)
भैरव	भोर	कोई भी मौसम	शांति
हिण्डोल	प्रात: काल	बसंत	युवा जोड़े की मिठास का आह्वान करता है
दीपक	रात	ग्रीष्मकाल	करुणा
मेघ	देर रात	वर्षा ऋतु	साहस
श्री	सायंकाल	शीतकाल	हर्ष
मालकौंस	मध्यरात्रि	शीतकाल	वीर

ताल

धुनों का लयबद्ध समूह ही ताल कहलाता है। यह लयबद्ध चक्र 3 से लेकर 108 धुनों का होता है।

Min. Beats - 3
Max. Beats - 108

भारतीय संगीत का वर्गीकरण

- भारतीय संगीत
  - शास्त्रीय संगीत
    - हिन्दुस्तानी शैली
    - कर्नाटक शैली
  - लोक संगीत
  - शास्त्रीय और लोक संगीत का समागम
    - सुगम संगीत — रविन्द्र संगीत
    - हवेली संगीत — गण संगीत
  - आधुनिक संगीत
    - रॉक संगीत — पॉप संगीत — ब्लू संगीत
    - ट्रांस संगीत — जैज संगीत — साइकेडेलिक संगीत

शास्त्रीय संगीत

👉 भारतीय शास्त्रीय संगीत की दो अलग-अलग शैलियों का विकास हुआ है:

1. **हिंदुस्तानी संगीत** : इसका भारत के उत्तरी भागों में अभ्यास किया जाता है।

2. **कर्नाटक संगीत** : इसका भारत के दक्षिणी भागों में अभ्यास किया जाता है।

हालाँकि दोनों प्रकार के संगीत की ऐतिहासिक जड़ें भरत के नाट्यशास्त्र में पायी जाती हैं, परंतु इनमें **14वीं सदी** में अलगाव हो गया।

हिंदुस्तानी संगीत

North — Hindustani Music
10

संगीत की हिंदुस्तानी शाखा संगीत संरचना और उसमें तात्कालिकता की संभावनाओं पर अधिक केंद्रित होती है। हिंदुस्तानी शाखा में शुद्ध स्वर सप्तक या 'प्राकृतिक स्वरों के सप्तक' के पैमाने को अपनाया गया।

'ध्रुपद', 'धमार', 'होरी', 'ख्याल', 'टप्पा', 'चतुरंग', 'रससागर', 'तराना', 'सरगम' और 'ठुमरी' जैसी हिंदुस्तानी संगीत में गायन की दस मुख्य शैलियाँ हैं। जिनमें से प्रमुख शैलियाँ इस प्रकार हैं

Imp

ध्रुपद शैली :- यह हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के सबसे पुराने और भव्य रूपों में से एक है तथा इसका वर्णन नाट्यशस्त्र में भी किया जाता है।

⇒ दिल्ली सल्तनत, मुगलकाल

M. Imp

प्रमुख ध्रुपद गायक :- अमीर खुसरो, स्वामी हरिदास, मियाँ तानसेन, बेजूबावरा, नौबत खान, गुणसमुंद्र

प्रमुख ध्रुपद घराने

👉 डागरी घराना, दरभंगा घराना, लयकारी, बेतिया घराना, तलवंडी घराना

ख्याल शैली

- ‘ख्याल शैली (ख्याल) शब्द फारसी से लिया गया है, जिसका अर्थ ‘विचार या कल्पना’ होता है। उल्लेखनीय है कि इस शैली के उद्भव का श्रेय अमीर ख़ुसरो को दिया जाता है।
- 15वीं सदी में हुसैन शाह (शर्की जौनपुर सल्तनत के शासक) इसके सबसे बड़ा संरक्षक थे
- असाधारण ख्याल रचनाएँ भगवान कृष्ण की स्तुति में की जाती है,
- ख्याल संगीत के अंतर्गत प्रमुख घराने है।

ग्वालियर घराना

- कलाकार :- नत्थू खान, विष्णु दिगंबर पलुस्कर

किराना घराना

- कलाकार :- अब्दुल करीम खान, अब्दुल वाहिद खान, पंडित भीमसेन जोशी

आगरा घराना :- अगरा घराने का संगीत ख्याल और ध्रुपद गायकी का मिश्रण है।

- कलाकार :- हाजी सुजान खान, फैयाज खान, हुसैन खान

पटियाला घराना :-

- कलाकार:- फतेह अली खान, अली बख्श जरनैल खान, बड़े गुलाम अली खान

Imp

संस्थापक

फतह, जनरल, बड़े गुलाम, पटियाला

भिंडी बजारा घराना :-

- कलाकार - छज्जू खान, नजीर खान, खादिम हुसैन

Imp

लता मंगेशकर

तराना शैली:-

- इसमें तीव्र गति से गाये जानेवाले कई शब्दों का प्रयोग होता है। 13वीं-14वीं शताब्दी में अमीर खुसरो द्वारा फिर से तराना शैली का आविष्कार किया गया।
- विश्व के एक प्रसिद्ध तराना गायक मेवाती घराने के पंडित रत्न मोहन शर्मा
- उपाधि:- तराना के बादशाह

हिन्दुस्तानी संगीत की अर्द्ध-शास्त्रीय शैली

- संगीत की अर्द्ध-शास्त्रीय शैली भी स्वर (सुर) पर आधारित है।
- कुछ प्रमुख अर्ध-शास्त्रीय शैलियों जैसे ठुमरी, टप्पा और गजल की नीचे चर्चा की गई गयी है।

ठुमरी :- यह उत्तर प्रदेश में उत्पन्न हुई और आमतौर पर मिश्रित सरल रागों पर आधारित है।

- ठुमरी शास्त्रीय नृत्य कथक से जुड़ी हुई है।
- ठुमरी के मुख्य घराने वाराणसी और लखनऊ में स्थित है और ठुमरी गायन की सबसे कालातीत (प्रसिद्ध) आवाज बेगम अख्तर की है
- पूरब अंग ठुमरी के गिरिजा देवी और छन्नूलाल मिश्रा अन्य प्रसिद्ध प्रस्तावक है।